रजिस्ट्री सं. डी. (डी एन.)-72

REGISTERED No. D (D.N.) 72

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 114] नई दिल्ली, शुक्रवार, मई 29, 1987/ज्येष्ठ 8, 1909
No. 114] NEW DELHI, FRIDAY, MAY 29, 1987/JYAISTHA 8, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, 29 मई, 1987

अधिसूचना

निधन सूचना

सं 3/2/87-पब्लिक—भूतपूर्व प्रधान मंत्री और लोक दल के नेता श्री चरण सिंह का 29 मई, 1987 को प्रातःकाल निधन हो गया।

श्री चरण सिंह की मृत्यु से, देश ने एक ऐसा लोकप्रिय नेता, वरिष्ठ राजनयिक, अनुभवी स्वतंत्रता सेनानी और एक उत्साही समाज सेवक खो दिया जिन्होंने अपना जीवन देश को समर्पित कर दिया था। आपने देश के राजनीतिक मंच पर 5 दशकों से भी अधिक समय तक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

स्व. चरण सिंह का जन्म 23 दिसम्बर, 1902 को नूरपुर उत्तर प्रदेश में हुआ था। आपने अपनी शिक्षा मेरठ और आगरा में प्राप्त की और तत्पश्चात् गाजियाबाद में वकालत आरम्भ की। गांधीवादी दर्शन से अत्यंत प्रभावित आप एक सरल प्रकृति के व्यक्ति थे। आप 1929 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में शामिल हुए, स्वतंत्रता आन्दोलन में भाग लिया और कई बार जेल गए। आप अनेक राजनीतिक दलों अर्थात् भारतीय क्रांति दल, भारतीय लोक दल, लोक दल, दलित मजदूर किसान पार्टी के संस्थापक तथा जनता पार्टी के सह-संस्थापक थे।

अपने दीर्घकालीन राजनीतिक जीवन के दौरान श्री चरण सिंह ने उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री, केन्द्रीय गृह मंत्री, उप प्रधान मंत्री एवं वित्त मंत्री के रूप में तथा 28 जुलाई, 1979 से 14 जनवरी, 1980 तक भारत के प्रधान मंत्री के रूप में महत्वपूर्ण मंत्रियों के पद पर कार्य किया।

राजनैतिक आंदोलन में श्री चरण सिंह का नेतृत्व जनता के और विशेषकर ग्रामीण इलाकों के सामाजिक और आर्थिक उत्थान के प्रति उनकी गहन अपेक्षाओं पर आधारित थी।

आपने अनेक पुस्तकें भी लिखीं, जिनमें से "अबालिशन ऑफ जमींदारी", "अग्रेरियन रिवॉल्यूशन इन उत्तर प्रदेश" और "इंडियाज इकनामिक पालिसी-गांधीयन ब्लू प्रिंट" प्रसिद्ध है।

अपनी निडर प्रवृत्ति, देशभक्ति और देश के प्रति समर्पण की अटल भावना हेतु श्री चरण सिंह राष्ट्र को सदैव प्रेरणा देते रहेंगे।

सी० जी० सोमैया, सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 29th May, 1987

NOTIFICATION

OBITUARY

No. 3|2|87-Public.—Shri Charan Singh, former Prime Minister and leader of the Lok Dal passed away in the early hours of the morning of 29th May, 1987.

In the death of Shri Charan Singh, the country has lost a popular leader, senior statesman, veteran freedom fighter and an ardent social worker who dedicated his life to the country. He held an important place in the country's political scene for over 5 decades.

The Late Shri Charan Singh was born on the 23rd of December, 1902 at Noorpur, Uttar Pradesh. He received his education at Meerut and Agra and later practised law at Ghaziabad. A man of simple habits, he was deeply influenced by Gandhian philosophy. He joined the Indian National Congress in 1929, participated in the freedom movement and courted imprisonment several times. He was a founder of a number of political parties viz., Bhartiya Kranti Dal, Bhartiya Lok Dal, Lok Dal, Dalit Mazdoor Kisan Party and was a co-founder of Janata Party.

During his long political career, Shri Charan Singh held important ministerial offices as Chief Minister, Uttar Pradesh, Union Home Minister, Deputy Prime Minister and Finance Minister and as the Prime Minister of India from 28th July, 1979 to 14th January, 1980.

Shri Charan Singh's leadership in the political movement was based on his deep involvement with the social and economic upliftment of the people specially in the rural areas. He also had a number of publications to his credit, better known amongst which are "Abolition of Zamindari", "Agrarian Revolution in Uttar Pradesh", and "India's Economic Policy—Gandhian blue-print".

For his undaunted spirit, patriotism and steadfast devotion to the country, Shri Charan Singh will remain an inspiring memory to the nation.

C. G. SOMIAH, Secy.

PRINTED BY THE MANAGER, GOVT. OF INDIA PRESS, RING ROAD, NEW DELHI-110064
AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI-110054, 1987